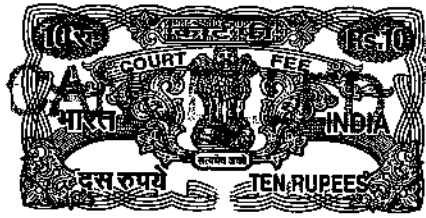


F-2910-15



169

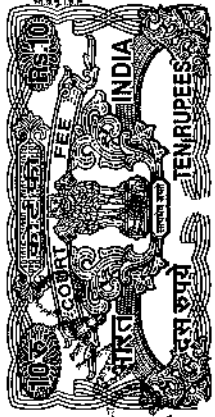
समक्ष न्यायालय श्रीमान राजस्व महोदय

जबलपुर

नं. / 3682-I-15

पुनरीक्षण प्रकरण क्रमांक

..... / 15



पुनरीक्षणकर्ता  
आपत्तिकर्ता

:- किशोर कुमार पिता स्व बलभद्र प्रसाद  
आयु 40 वर्ष निवासी टगर महगवां तह.  
पनागर, जिला जबलपुर

विरुध

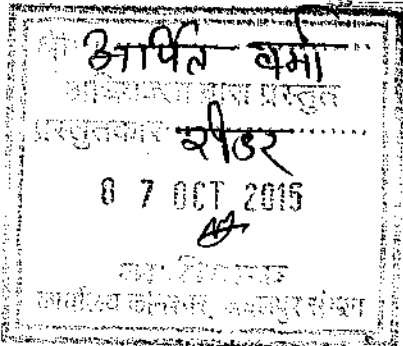
अनावेदक क्रं 1 :-  
आवेदक

सुखदेव पटेल पिता स्व. कंधीलाल पटेल  
आयु 88 वर्ष निवासी टगर महगवां  
तह. पनागर, जिला जबलपुर

अनावेदक क्रं 2 :-  
अनावेदक

धनीराम काछी पिता चेताराम काछी  
आयु 65 वर्ष निवासी टगर महगवां  
तह. पनागर, जिला जबलपुर

पुनरीक्षण आवेदन धारा 50 (1) म.प्र. भू राजस्व संहिता



पुनरीक्षणकर्ता द्वारा यह पुनरीक्षण न्यायालय माध्यम  
तहसीलदार पनागर द्वारा राजस्व प्रकरण क्र.  
17/अ-70/12-13 सुखदेव विरुद्ध धनीराम में  
पारित आदेश दिनांक 18.09.15 से व्यक्ति होकर  
निम्नलिखित तथ्यों एवं आधारों पर प्रस्तुत किया जा  
रहा है :-

पुनरीक्षण के तथ्य

Handwritten signature

7. यह कि माननीय न्यायालय द्वारा कलेक्टर महोदय के न्यायालय

XXXIX(a)BR(H)-11

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश, ग्वालियर

प्रकरण क्रमांक - निग0 3682-एक/15


जिला - जबलपुर

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारी एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
26-5-16	<p>प्रकरण का अवलोकन किया गया यह निगरानी तहसीलदार, पनागर द्वारा प्रकरण क्रमांक 17/अ-70/12-13 में पारित आदेश दिनांक 18-9-15 के विरुद्ध म0प्र0 भू-राजस्व संहिता, 1959 ( जिसे आगे संहिता कहा जायेगा ) की धारा 50 के तहत प्रस्तुत की गई है ।</p> <p>2/ प्रकरण के तथ्य संक्षेप में इस प्रकार हैं कि अनावेदक क्रमांक 1 सुखदेव पटेल द्वारा अधीनस्थ न्यायालय में संहिता की धारा 250 के तहत अनावेदक क्रमांक 2 धनीराम के विरुद्ध आवेदन पेश कर कब्जा दिलाए जाने का अनुरोध किया गया । उक्त आवेदन पर प्रकरण पंजीबद्ध कर प्रकरण में कार्यवाही प्रारंभ की गई । कार्यवाही के दौरान अनावेदक क्रमांक 2 द्वारा सिविल न्यायालय के आदेश दिनांक 6-3-12 की प्रति पेश किए जाने पर नायब तहसीलदार ने आदेश पत्रिका दिनांक 12-3-15 के अनुसार राजस्व निरीक्षक को दोनों पक्षों के समक्ष सीमांकन कार्यवाही संपन्न कराने के निर्देश दिए । इसके उपरांत आवेदक द्वारा आपत्ति प्रस्तुत कर सीमांकन कार्यवाही स्थगित करने की मांग की गई । आलोच्य आदेश द्वारा नायब तहसीलदार ने रा0नि0 एवं हल्का पटवारी को सीमांकन कर पंचनामा प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं । इस आदेश के विरुद्ध आवेदक द्वारा यह निगरानी इस न्यायालय में पेश की गई है ।</p> <p>3/ आवेदक एवं अनावेदक क्रमांक 2 के अधिवक्ता के तर्क सुने गये ।</p> <p>4/ उभयपक्ष अधिवक्ताओं द्वारा प्रस्तुत तर्कों के परिप्रेक्ष्य में अभिलेख का तथा आलोच्य आदेश का अवलोकन किया गया । अधीनस्थ न्यायालय द्वारा सिविल न्यायालय के निर्णय के आधार पर सीमांकन कार्यवाही प्रारंभ की गई है । अधीनस्थ न्यायालय ने उभयपक्षों की उपस्थिति में सीमांकन कर सीमांकन प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं । प्रकरण में सीमांकन अभी होना है जहां आवेदक/आपत्तिकर्ता अपनी बात रख सकता है । ऐसी स्थिति में</p>	

*[Handwritten signature]*

*[Handwritten signature]*

प्र० क० निगरानी - निग० 3682-एक/15 (किशोर कुमार विरुद्ध सुखदेव पटेल आदि)

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
<p>२ १९</p>	<p>अधीनस्थ न्यायालय द्वारा की जा रही कार्यवाही में हस्तक्षेप का कोई आधार नहीं है। परिणामतः यह निगरानी निरस्त की जाती है। उभयपक्ष सूचित हों एवं अभिलेख वापिस हो।</p>	<p> सदस्य</p>